अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : पाँचवीं – जैन धर्म चन्द्रिका (परीक्षा 30 जून, 2013)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	7	8	कुल योग
प्राप्तांक									
पूर्णांक	10	10	10	10	12	12	18	18	100
पुनः जाँच									

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1=(10)**

(a) **पद, अक्षर को आगे-पीछे करके पढ़ा हो, उसे कहते हैं -**

(क) वच्चामेलियं (ख) हीणक्खरं

(ग) वाइद्धं (घ) पयहीणं ( )

(b) **अभ्याख्यान का अर्थ है -**

(क) चुगली करना (ख) निंदा करना

(ग) झूठा कलंक लगाना (घ) कपट सहित झूठ बोलना ( )

(c) **उद्‌गम के दोष कितने हैं -**

(क) 42 (ख) 10

(ग) 52 (घ) 16 ( )

(d) **साधु कितने कारणों से आहार करते हैं -**

(क) 06 (ख) 07

(ग) 08 (घ) 09 ( )

(e) **उपधि के कितने भेद हैं -**

(क) 05 (ख) 04

(ग) 02 (घ) 03 ( )

(f) भक्तामर स्तोत्र में किस तीर्थकर की स्तुति की गई है -

(क) श्री महावीर स्वामी (ख) श्री ऋषभदेव जी

(ग) श्री शांतिनाथ जी (घ) श्री पार्श्वनाथ जी ( )

(g) **'उक्खित्तविवेगेणं' किस पच्चक्खाण का आगार है -**

(क) एकासना (ख) पोरिसि

(ग) उपवास (घ) आयम्बिल ( )

(h) **पोरिसि के प्रत्याख्यान में कुल कितने आगार हैं -**

(क) 06 (ख) 05

(ग) 04 (घ) 03 ( )

(i) **तीन विकलेन्द्रिय में उपयोग लेकर जाने तथा निकलने का अंक है -**

(क) 55 (ख) 78

(ग) 87 (घ) 53 ( )

(j) संज्ञा का थोकड़ा किस सूत्र से लिया गया है -

(क) भगवती सूत्र (ख) ठाणांग सूत्र

(ग) पन्नवणा सूत्र (घ) उत्तराध्ययन सूत्र ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1=(10)**

(a) व्रत प्रत्याख्यान आदि में लगे दोषों से निवृत्त होना प्रतिक्रमण है। ( )

(b) व्रत धारण नहीं करने वालों को प्रतिक्रमण करना आवश्यक नहीं है। ( )

(c) रात्रि भोजन के त्याग को दसवें व्रत में माना जाना चाहिए। ( )

(d) 'मीसजाए' उत्पादना का दोष है। ( )

(e) तिगिच्छे का अर्थ चिकित्सा दोष है। ( )

(f) परिभोगेषणा के पाँच भेद हैं। ( )

(g) 'दिसामोहेणं' आयम्बिल का एक आगार है। ( )

(h) 'उवभोग परिभोगाइरित्ते' सातवें व्रत का अतिचार है। ( )

(i) अणवकंखमाणे शब्द बडी संलेखना में है। ( )

(j) श्रावक के तीन मनोरथ स्थानांग सूत्र से लिए गये हैं। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1=(10)**

(a) मुझसे प्रवचन माता की आराधना होती है। .....

(b) मैं आप्त पुरूषों द्वारा कथित व गणधरों द्वारा ग्रथित हूँ। .....

(c) मेरे कारण तत्त्वों की सही श्रद्धा नहीं होती। .....

(d) मुझे 42 दोष टालकर भिक्षा आदि लेने की सम्यक् प्रवृत्ति कहते हैं। .....

(e) मैं स्वाद की प्रशंसा करते हुए खाने से लगने वाला दोष हूँ। .....

(f) मैं काया की अशुभ प्रवृत्तियों को रोकता हूँ। .....

(g) मैं उपधि का ऐसा भेद हूँ जो हमेशा साधु-साध्वियों के पास ही रहता हूँ। .....

(h) मैं सचित्त वस्तु पर रखे हुए निर्दोष आहारादि लेने से लगने वाला दोष हूँ। .....

(i) मुझे करूणा सागर कहा गया है। .....

(j) मेरे गुण तीनों लोकों में व्याप्त हैं। .....

प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए :- **10x1=(10)**

(a)	मानने योग्य	-	निरर्थक वचन	.....
(b)	स्थापना	-	भिखारी	.....
(c)	अच्छी तरह नहीं देखा हो	-	उधार लाकर देना	.....
(d)	वणीमगे	-	अरिहन्त	.....
(e)	साहम्मिए	-	सम्मयं	.....
(f)	मोहरिए	-	साधर्मिक	.....
(g)	पामिच्चे	-	ठवणा	.....
(h)	सेवन करना	-	झूसणा	.....
(i)	भामण्डल	-	दिशिव्रत	.....
(j)	खित्तवुड्ढी	-	सेज्जा संथारए	.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए :- **6x2=(12)**

(a) **फासुयएसणिज्जेणं शब्द किस पाठ से लिया है तथा इसका अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(b) **पौषध कितने प्रकार के हैं, नाम लिखिए।**

.....

.....

(c) **लाभ का मद किसने किया ?**

.....

.....

(d) **वचन के कितने दोष हैं ?अंतिम दोष बताइए।**

.....

.....

(e) **अणिसिट्ठे का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(f) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए -

'आस्तां तव ..... दोष।'

'त्वत्संकथापि ..... दुरितानि हन्ति।'

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्यों में लिखिए :- 6x2=(12)

(a) प्रतिक्रमण में जावज्जीवाए शब्द कहाँ-कहाँ आया है ?

.....

.....

(b) चारित्र किसे कहते हैं ?

.....

.....

(c) सामायिक एवं पौषध में कोई दो अन्तर लिखिए।

.....

.....

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(d) इक्कीसवाँ .....

..... भरतार।

(e) मल्लिनाथ का कीर्त्तन .....

..... को चित्त में धरते।

(f) कल्पान्तकाल .....

.....भुजाभ्याम।

प्र.7 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन पंक्तियों में दीजिए :- 6x3=(18)

(a) निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए -

1. वितिगिच्छा
2. अप्पकिलंताणं
3. अवज्झाणायरिए
4. अब्भुट्ठिओमि

.....

.....

.....

(b) रात्रि-भोजन-त्याग श्रावक व्रतों के पालन में कैसे सहयोगी बनता है ?

.....

.....

.....

(c) निम्न मद किसने किया -

1. कुल मद 2. तप मद 3. ऐश्वर्य मद 4. रूप मद

.....

.....

.....

(d) अतिथि संविभाग व्रत का स्वरूप लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(e) संलेखना किसे कहते हैं ?

.....

.....

.....

.....

(f) इच्छामि खमासमणो दो बार क्यों बोला जाता है ?

.....

.....

.....

.....

प्र.8 निम्न प्रश्नों के उत्तर 2-3 पंक्तियों में दीजिए :- 6x3=(18)

(a) 14 नियम का दोहा लिखते हुए इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

.....

.....

.....

(b) सिद्धों के 14 प्रकार कौनसे हैं ?लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(c) अढ़ाईद्वीप में जघन्य एवं उत्कृष्ट तीर्थकर कितने हो सकते हैं ?और कैसे ?

.....

.....

.....

.....

(d) 84 लाख जीव योनि में पृथ्वीकाय के कितने भेद हैं और कैसे ?

.....

.....

.....

.....

(e) निम्न गाथाओं को पूर्ण कीजिए -

1. परियट्टिए .....

..... सोलसमे।।

2. धाई .....

..... दस ए ए।।

(f) अल्पश्रुतं श्रुतवतां परिहासधाम, त्वद्भक्तिरेव मुखरी कुरूते बलान्माम्।
यत्कोकिलः किल मधौ मधुरं विरौति, तच्चाम्रचारू - कलिकानिकरैकहेतुः ।।
उक्त श्लोक का भावार्थ लिखिए।

.....

.....

.....